



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (अपाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, १० अक्टूबर, १९९५/१८ अश्विन, १९१७

हिमाचल प्रदेश सरकार

FINANCE (REGULATION) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th August, 1995

No. FIN-C-A(3)-4/94.—In continuation of this Department Notification of even number, dated 9th August, 1995, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to appoint Shri Avay Shukla, I.A.S., as Member of Himachal Pradesh State Finance Commission, in place of Shri B. S. Chauhan, I.A.S., Director (RD & PR), Himachal Pradesh, with immediate effect. The earlier Notifications dated 18-4-1995 and 9-8-1995 be deemed to be modified to this extent.

By order,

KR. SHAMSHER SINGH,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 26 सितम्बर, 1995

संख्या पी0सी0एच0-एच0ए0(5) 43/83. — यतः श्री सर्वदयाल, प्रधान, ग्राम पंचायत निशानी, विकास खण्ड निरमण्ड, जिला कुल्लू के विरुद्ध श्री शान्ति राम, सदस्य, पंचायत समिति, निरमण्ड द्वारा ग्राम सभा निधि के दुरुपयोग/गवत के सम्बन्ध में की गई प्राथमिक छानबीन करवाने पर स्थानिक के दुरुपयोग में उक्त प्रधान निम्न आरोपों में संलिप्त पाये गये हैं :—

1. यह कि पुराने प्राथमिक पाठशाला भवन पुजारली के दो कमरों की मरम्मत के लिए वर्ष 1985-86 में रु० 15000/- रुपये अनुदान स्वीकृत किया गया था जिसमें से रु० 12,936.60 रुपये की 60 टीन की चादर दी गई थी परन्तु कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा मौका पर छानबीन के दौरान उक्त भवन निर्मित नहीं पाया गया और न ही टीन की चादरें पंचायत स्टॉक में पाई गई। इस प्रकार रु० 12,936.60 पैसे का गवत किया है।
2. यह भी स्पष्ट किश जाये कि पुजारली के नाम से पुराना प्राथमिक पाठशाला भवन नहीं है तो इसके नाम से अनुदान कैसे प्राप्त किया गया और टीन की चादरें कहीं प्रयोग की गई।
3. महिला मण्डल भवन पुजारली के लिए वर्ष 1984-85 में रु० 25,000/- रुपये अनुदान स्वीकृत करा लिया गया था जिसमें से रु० 6,000/- रुपये नकद दिये गये हैं और रु० 7,115.15 रुपये की 33 टीन की चादरें दी गई हैं परन्तु कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा मौका पर छानबीन के दौरान केवल 22 टीन की चादरें भवन पर लगी हैं पाई गई। इस प्रकार 11 टीन की चादरों का दुरुपयोग किया गया है जो पंचायत के स्टॉक में मौजूद नहीं हैं।

और क्योंकि श्री सर्वदयाल, प्रधान, ग्राम पंचायत निशानी को उपरोक्त कृत्य के लिए उपायुक्त, कुल्लू द्वारा उक्त आदेश संख्या पी0सी0एच0-एच0(कु०) क० (5 क)-532-35, दिनांक 17 अप्रैल, 1995 द्वारा निलम्बनाथ कारण वताओ नोटिस दिया गया था।

और क्योंकि उपरोक्त वर्णित आरोपों में तथ्यों की वास्तविकता जानने व मामले के मूल तथ्य प्रकाश में लाने के लिए नरहर द्वारा मामले में नियमित जांच करवाने का जनहित में निर्णय लिया है।

अतः हिमाचल प्रदेश राज्यपाल, उन शक्तियों के अधीन जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146(1) के अन्तर्गत प्रदत्त हैं, प्रयोग करते हुए श्री सर्वदयाल, प्रधान, ग्राम पंचायत निशानी विकास खण्ड निरमण्ड के विरुद्ध उप सम्भागीय अधिकारी (नागरिक), ग्रामी को जांच अधिकारी नियुक्त करने का सहर्ष आदेश देते हैं तथा साथ ही पंचायत निरीक्षक विकास खण्ड निरमण्ड को प्रस्तुत कर्तव्य अधिकारी नियुक्त किया जाता है जोकि पंचायत के रिकार्ड के साथ सरकार का पक्ष भी रखेंगे।

उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), ग्रामी अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त, कुल्लू के माध्यम से एक मास के भीतर भीतर इस निदेशालय को भेजेंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव।